Patrika (Indore), 18th February 2020, Page-13

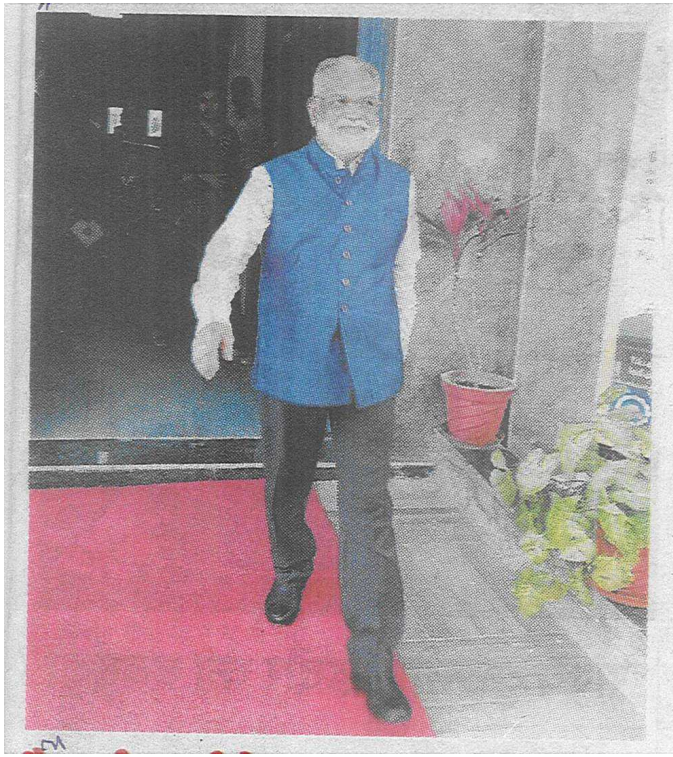

पर्यावरण संरक्षण और सौर ऊर्जा से जीवन बेहतर बनाने पर होगा इसरो का फोकस

इसरो के पूर्व चेयरमैन डॉ. के राधाकृष्णन का आइआइटी में संबोधन

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर ◆ स्पेस साइंस में भारत दुनियाभर के देशों के सामने मिसाल बनकर उभरा है। हाल ही में इसरो के मंगलयान ने पूरी दुनिया को चौंका दिया है। अब इसरो का फोकस है पर्यावरण संरक्षण और सौर ऊर्जा के अधिक से अधिक उपयोग से मानव जीवन को और भी बेहतर बनाना। यह कहना है इसरो के पूर्व चेयरमैन डॉ. के राधाकृष्णन का जो आइआइटी इंदौर में स्टूडेंट्स को संबोधित कर रहे थे।

विक्रम साराभाई एंड बियोंड इंडिया इनटू द न्यू स्पेस एज पर आयोजित इस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए राधाकृष्णन ने कहा कि स्पेस बिजनेस आने वाले समय में देशों की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करेगा।

आज जिस तरह से प्राइवेट कंपनियां स्पेस बिज़नेस में उतर रही हैं उससे इसमें नए आयाम देखने को मिलेंगे। उन्होंने कहा कि भारत में प्राइवेट कंपनियां सीधे स्पेस बिजनेस में नहीं हैं लेकिन इसरो के कामों अप्रत्यक्ष रूप में कई बड़ी कंपनियां सहयोगी हैं।

रिसर्च से कई जानें बचाता है इसरो

राधाकृष्णन ने कहा कि यदि एक तूफान के आने से पहले इसरो इसकी जानकारी देता है तो कई जानें बचती हैं। इसी प्रकार सूखा, मौसम की मार और कई अन्य पर्यावरणीय बदलावों पर इसरो महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। आने वाले समय में इसरो का फोकस इस बात पर होगा कि सौर ऊर्जा का अधिक से अधिक उपयोग कर इंसानी जीवन को बेहतर बनाया जा सके।

इंदौर में चमत्कारी बदलाव देखने को मिले

उन्होंने स्टूडेंट्स को संबोधित करते हुए कहा कि वे 5वीं बार इंदौर आ रहे हैं और उन्होंने इंदौर को चमत्कारी रूप से बदलते हुए देखा है। उन्होंने कहा कि डवलपमेंट, स्वच्छता या फिर एजुकेशन की बात हो इंदौर ने बहुत तेजी से ग्रोथ करी है। आइआइटी कैंपस के बारे में उन्होंने कहा कि यह सबसे अच्छी बात है कि इंदौर का आइआइटी शहर से बाहर है और इस वजह से स्टूडेंट्स का फोकस पढ़ाई पर अधिक रहता है।